



21056

विभाग 5 प्रकाशक



एन सी ई आर टी
NCERT

₹ 15.00

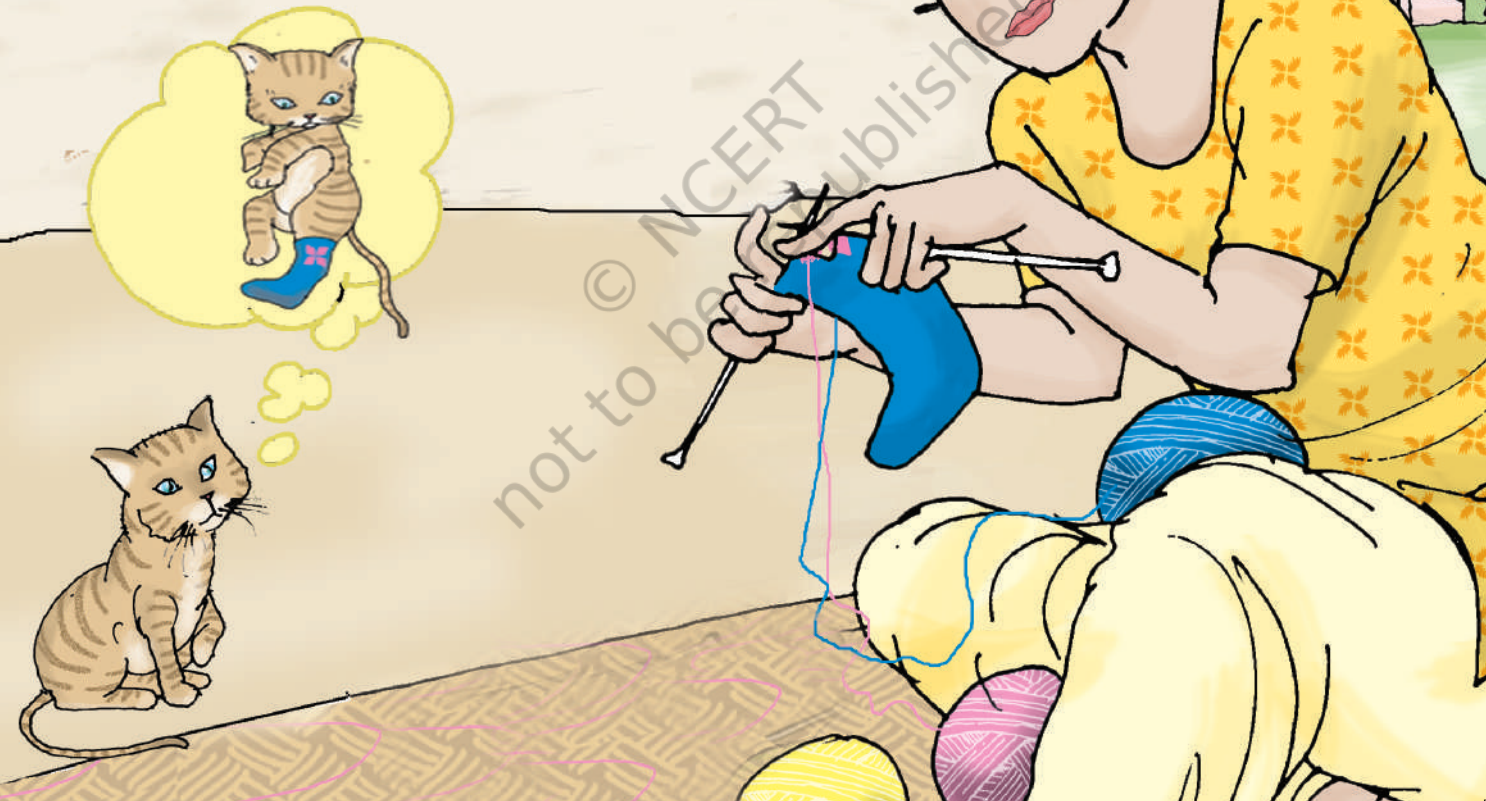
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

ISBN 978-93-5007-353-7 (वर्षा-सैट)
978-93-5007-374-2



पठनम् एव अवगमनम्

मातृस्वसुः पदावरकम्



प्रथम संस्कृत संस्करण : अगस्त 2015 श्रावण 1937

पुनर्मुद्रण : जुलाई 2020 आषाढ़ 1942

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2015

PD 153TRPS

पुस्तकमाला निर्माण समिति

कंचन सेठी, कृष्ण कुमार, ज्योति सेठी, टुलटुल विश्वास, मुकेश मालवीय, राधिका मेनन, शालिनी शर्मा, लता पाण्डे (स्वर्गीय), स्वाति वर्मा, सारिका वशिष्ठ, सीमा कुमारी, सोनिका कौशिक, सुशील शुक्ल

सदस्य-समन्वयक – लतिका गुप्ता

संपादक (संस्कृत) – कृष्णचन्द्र त्रिपाठी

संस्कृत अनुवाद – रणजित बेहेरा, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

चित्रांकन: जोएल गिल सज्जा तथा आवरण – निधि बाधवा

संस्कृत समीक्षा समिति

यज्ञ दत्त शर्मा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर संस्कृत, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; कृष्ण चन्द्र त्रिपाठी, प्रोफेसर संस्कृत, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली; राजेश्वर प्रसाद मिश्र, प्रोफेसर संस्कृत, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा; भागीरथी नन्द, एसोसिएट प्रोफेसर, साहित्य विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली; पतञ्जलि कुमार भाटिया, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; सूर्य नारायण नन्द, अतिथि अध्यापक, सेंट स्टीफेन्स कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; हरकृष्ण अगास्ति, असिस्टेंट प्रोफेसर, व्याकरण विभाग, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र; सुगन्ध पाण्डेय, टी.जी.टी. संस्कृत, केन्द्रीय विद्यालय, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड; निर्मल मिश्र, टी.जी.टी. संस्कृत, केन्द्रीय विद्यालय, नरेला, दिल्ली; डॉ. जतीन्द्र मोहन मिश्र, सह आचार्य, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

आभार ज्ञापन

प्रो. बी.के.त्रिपाठी, निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; कृष्ण कुमार, पूर्व-निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; वसुधा कामथ, पूर्व-संयुक्त-निदेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रोग्रोगिकी संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; उमा शंकर शर्मा ऋषि, पूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार; के. के. वशिष्ठ, पूर्व-विभागाध्यक्ष, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा एजुकेशनल स्टोर्स, एस-5 बुलंदशहर रोड इंडस्ट्रियल एरिया साईट-I गाजियाबाद (उ.प्र.) द्वारा मुद्रित।

ISBN 978-93-5007-353-7 (वर्षा-सैट)
978-93-5007-374-2

वर्षा-क्रमिक-पुस्तकमाला प्राथमिककक्षायाः बालानां कृते वर्तते। अस्याः अभिप्रायः – ‘बोधनेन सह’ स्वयंपठनस्य अवसरपरिकल्पनं वर्तते। अस्याः पुस्तकमालायाः कथाः चतुर्षु स्तरेषु पञ्चसु कथावस्तुषु च विभक्ताः सन्ति। ‘वर्षा’ बालानाम् सानन्दं पठने स्थायिपाठकत्वेन निर्माणे च सहायिका भविष्यति। बालेभ्यः दैनन्दिन्यः लघुलघुघटनाः कथा इव रुचिकराः प्रतीयन्ते। अतः वर्षा-मालिकायाः सर्वाः कथाः दैनिकजीवनस्य अनुभवान् आधृत्य वर्तन्ते। लघुबालानां पठनाय प्रचुरमात्रायां पुस्तकानि उपलब्धानि स्युरिति अस्याः पुस्तकमालायाः अपरमुद्देश्यं वर्तते।

वर्षा-पुस्तकमाला बालानां पठन-शिक्षणे, स्थायिपाठकनिर्माणे, सूचनासंग्रहणे पाठ्यचर्यायाः प्रत्येकं क्षेत्रे च सहायिका भविष्यति। शिक्षकाः वर्षा-मालिकां कक्षायाम् तथा स्थापयेयुः येन बालाः सुखेन पुस्तकानि ग्रहीतुं शक्नुयुः।

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्वअनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रानिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

- एन.सी.ई.आर.टी. कैपस, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708
- 108, 100 फीट रोड, हेली एक्सटेंशन, होस्टेकेरे, बनाशकरी III स्टेज, बंगलुरु 560 085 फोन : 080-26725740
- नवजीवन ट्रस्ट भवन, डाकघर नवजीवन, अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446
- सी.डब्ल्यू.सी. कैपस, निकटः धनकल बस स्टॉप पनितरी, कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454
- सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स, मालीगाँव, गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : अनूप कुमार राजपूत मुख्य उत्पादन अधिकारी : अरुण चितकारा
मुख्य संपादक : श्वेता उष्यल मुख्य व्यापार प्रबंधक : विपिन दिवान

मातृस्वसुः पदावरकम्



मातृस्वसा



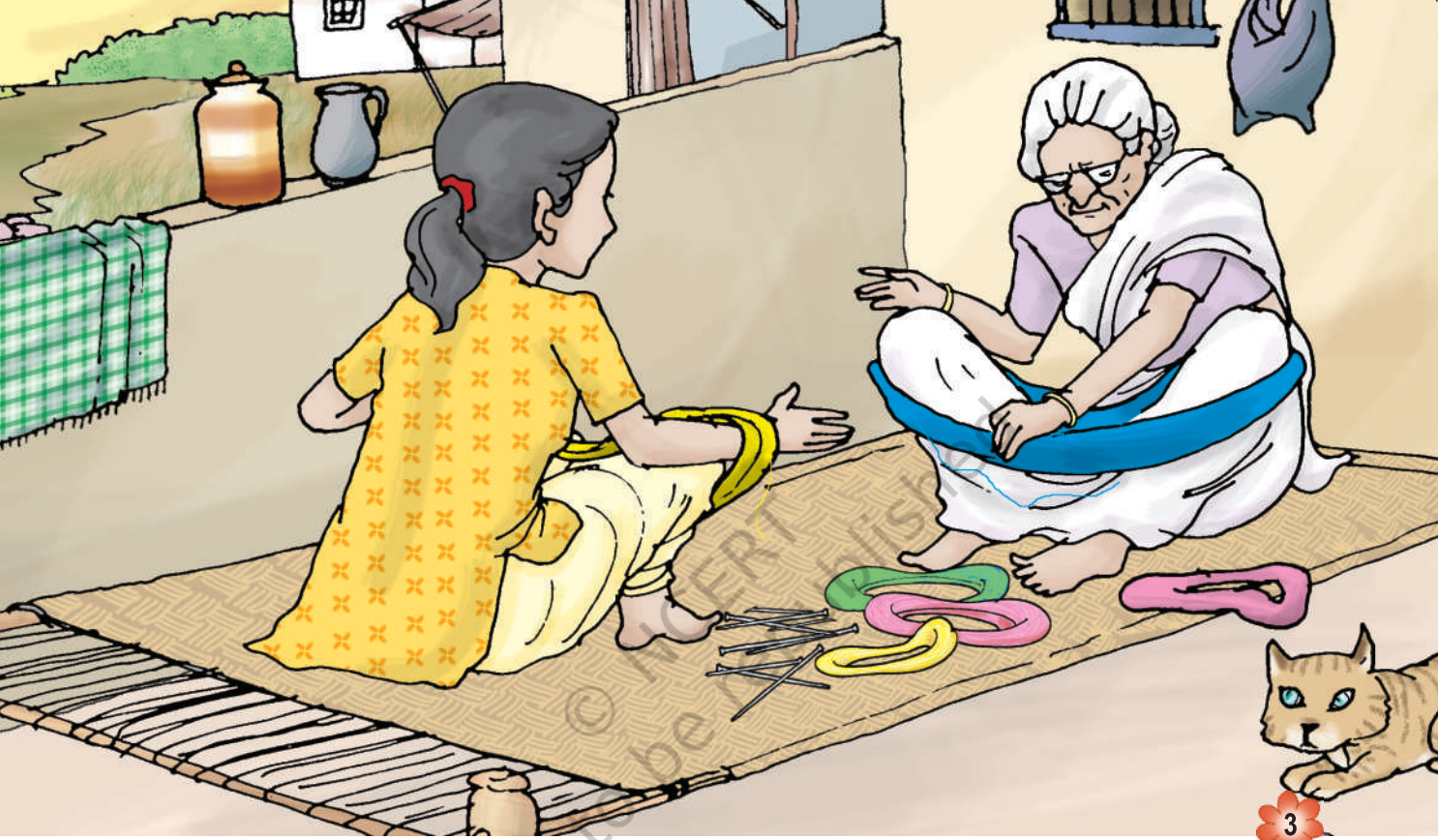
मुनमुनः



मातामही



एकदा मातृस्वसा मातामहीतः पदावरक-रचनां शिक्षते स्म।
ते अङ्गने खट्वायाम् उपाविशताम्।
मुनमनः खट्वायाः अधः उपविष्टा आसीत्।



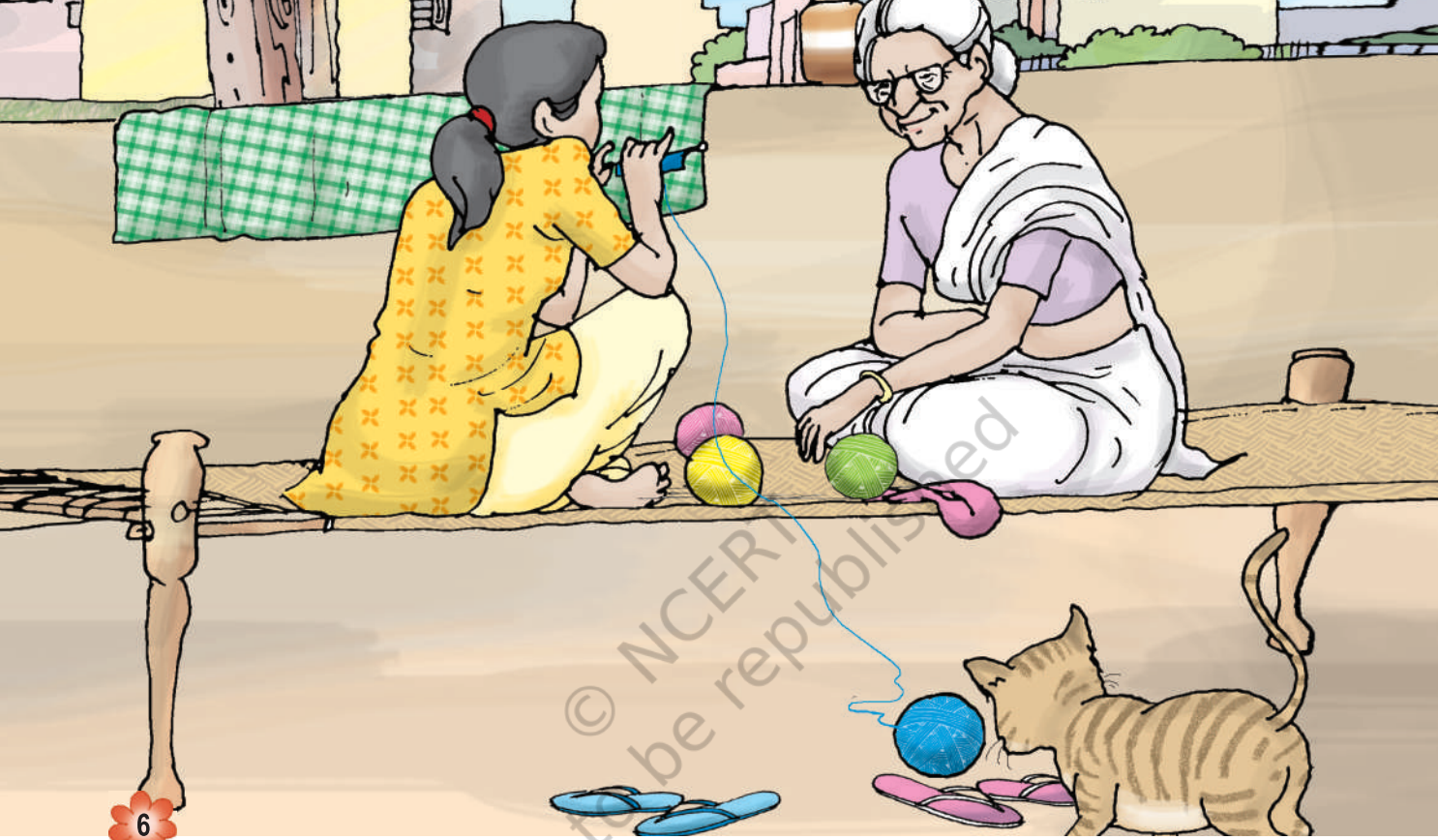
तयोः पार्श्वे प्रभूतानि ऊर्णानि शलाकाश्च आसन्।
मातामही स्वपादयोः नीलम् ऊर्णगुच्छं धारितवती।
मातृस्वसा स्वपादयोः पीतम् ऊर्णगुच्छं धारितवती।



मातामही हस्तौ परिभ्राम्य नीलवर्णं गोलकं रचितवती।
मातृस्वसा हस्तौ परिभ्राम्य पीतवर्णं गोलकं रचितवती॥
मुनमुनः तयोः गोलकद्वयं ध्यानेन पश्यति स्म।



मातामही पाशान् रचयित्वा मातृस्वप्ने दत्तवती।
मातृस्वप्ना पदावरकं रचयितुम् आरभत।
मुनमुनः शनैः खट्वाम् आरूढा।



मातृस्वसा पदावरकं वयितुं संलग्ना आसीत्।
मुनमुनः गोलकम् अधः अपातयत्।
सा गोलकेन क्रीडितुम् आरब्धा।



यदा ऊर्णम् आकृष्टं तदा मातृस्वसा गोलकम् अपश्यत्।
सा मुनमुनं गोलकतः पृथक् अकरोत्।
मातृस्वसा गोलकम् आवृत्य अङ्गे स्थापितवती।



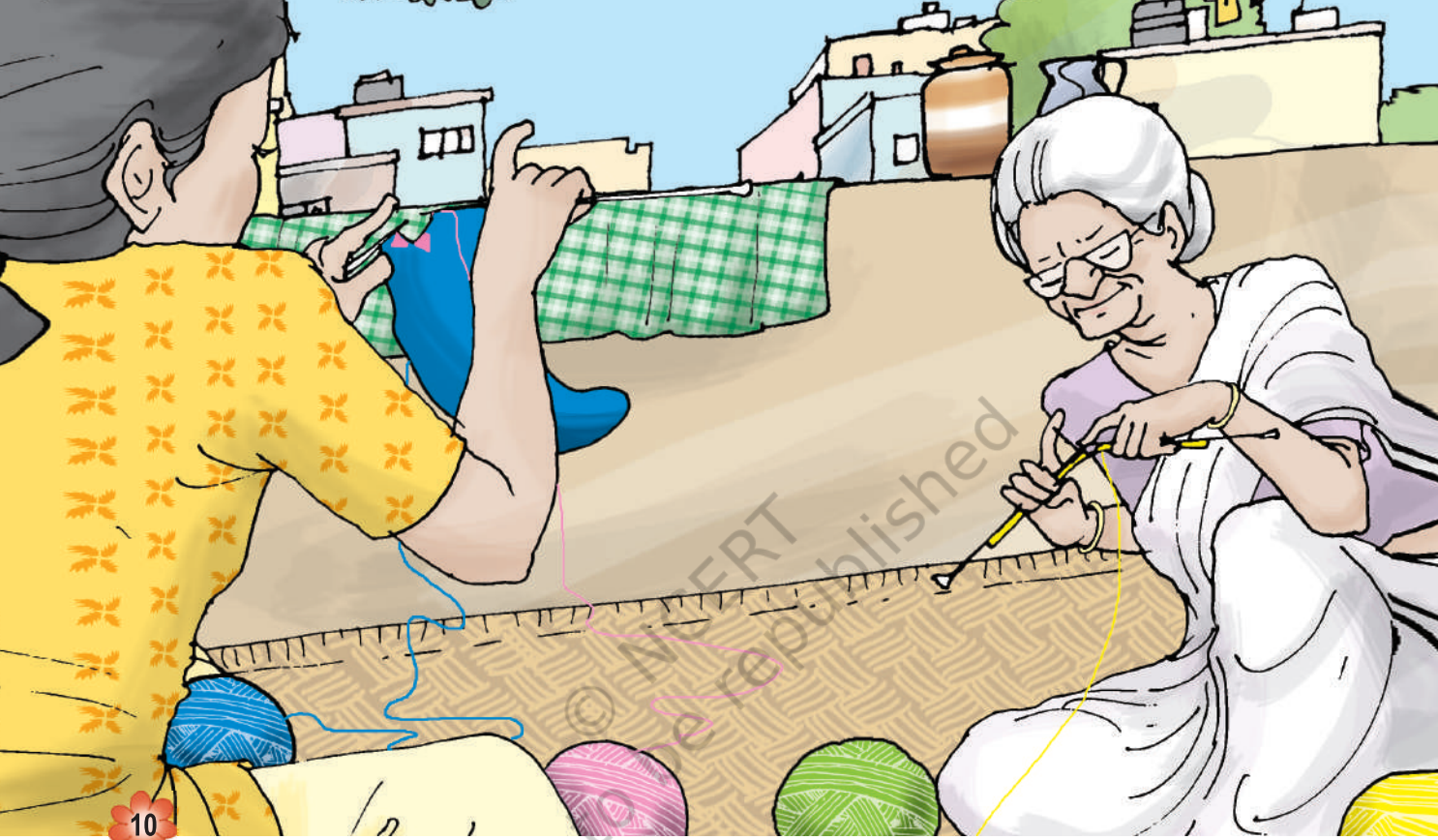
मातृस्वसा पुनः पदावरकं वयितुं प्रवृत्ता।

पदावरकस्य किञ्चिद् रूपं दृश्यते स्म।

मातामही रचितस्य पाशस्य उपरि पाटलवर्णस्य ऊर्णस्य पाशान् रचितवती।



मातृस्वसा पुनः वयितुं संलग्ना अभवत्।
इदानीं वयने पाटलवर्णम् ऊर्णम् अपि आगच्छति स्म।
पाटलवर्ण-गोलकं कम्पते स्म।



मातृस्वसुः वयने पाटलवर्णं पुष्पं दृश्यते स्म।

दीर्घं पदावरकं लम्बते स्म।

मातामही स्व-कृते शलाकाया उपरि पाशान् रचितवती।



मातामही अपि वयनकार्यं प्रारब्धवती।
मुनमुनः पुनः शनैः उपरि आगता।
सा मातामह्याः गोलकम् अधः नेतुं प्रारभत।



मातामही मुनमुनस्य मुखात् गोलकं मोचितवती।
सा मुनमुनं स्व-स्कन्धे उपावेशयत्।
मुनमुनः तस्याः स्व-मुखं घर्षयितुम् आरभत।



मातामही मातृस्वसुः पदावरकं हस्ते गृहीतवती।
सा मातृस्वसारं पाशान् बद्धुं शिक्षितवती।
मातृस्वसा तस्य पदावरकस्य पाशान् बद्धवती।

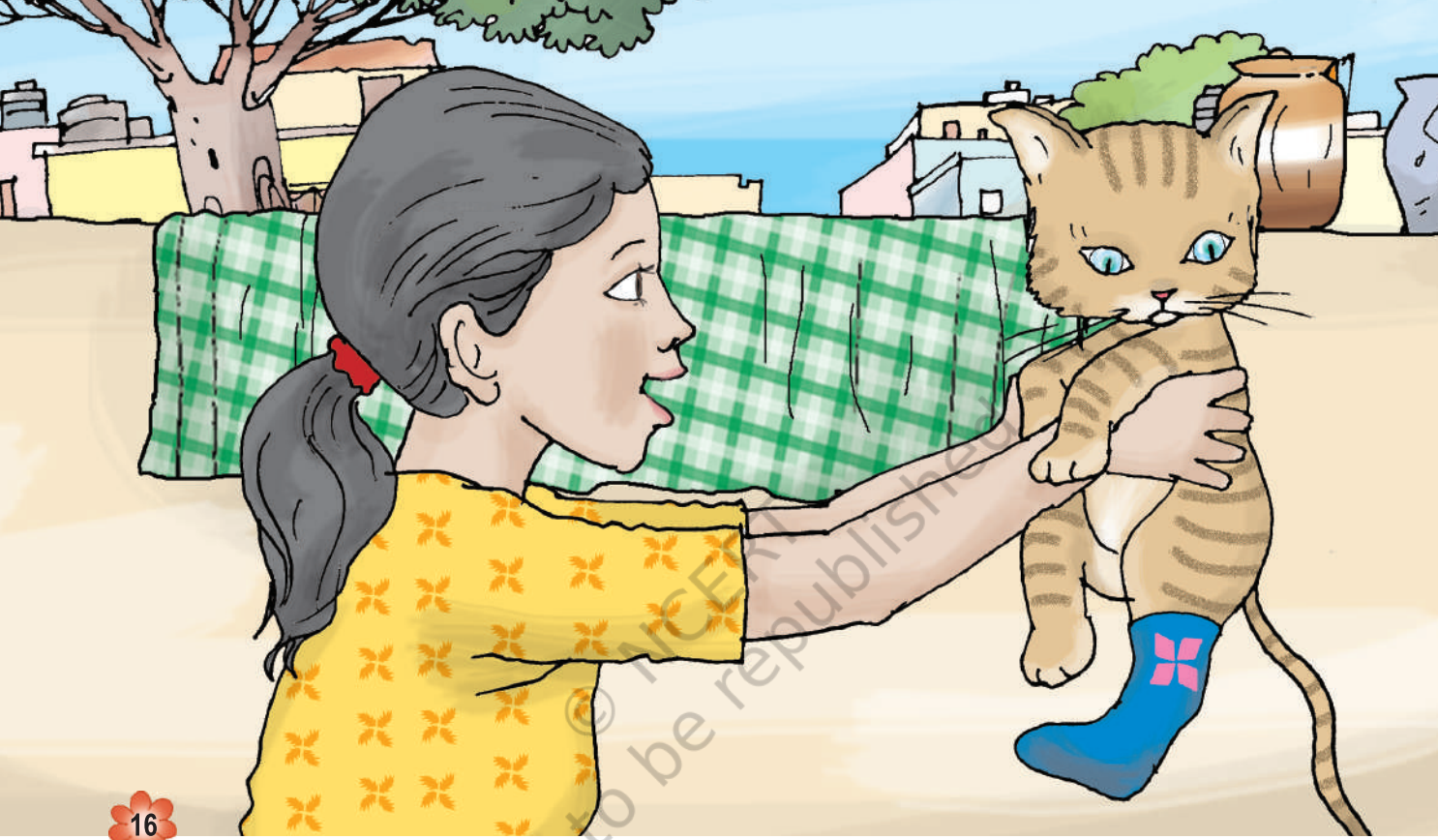


14

मातृस्वसुः एकं पदावरकं पूर्णम् अभवत्।
सा स्व-पदावरकं दृष्ट्वा प्रसन्ना अभवत्।
मातामही मुनमुनम् अधः अवतारितवती।



मातृस्वसा स्वपदावरकं परिधातुम् आरभत।
किन्तु तत् पदावरकं मातृस्वसुः पादे नायातम्।
पदावरकं तु लघु जातम्।



मातृस्वसा मुनमुनं स्वाङ्गे उपावेशयत्।
सा एतत् पदावरकं मुनमुनस्य पादे धारितवती।
तत् पदावरकं मुनमुनस्य पदानुरूपम् आसीत्।

रमा-रान्योः अपराः कथाः

